भारत – अल्बानिया संबंध

राजनीतिक संबंध : भारत ने 1956 में अल्बानिया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए तथा रोम स्थित भारतीय राजदूत को समवर्ती रूप से तिराना की भी जिम्मेदारी सौंपी गई। उनको 1964-65 में निलंबित कर दिया गया। 1984 में, अल्बानिया ने भारत के बेहतर संबंधों के लिए अपनी रूचि का संकेत दिया तथा 27 अप्रैल, 1990 से बुखारेस्ट भारतीय राजदूत को समवर्ती रूप से तिराना की भी जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद दोनों देशों की ओर से उच्च सतर अनेक यात्राएं हुईं। अल्बानिया की संसद के स्पीकर श्री जोज़फिना टोपाल्ली के नेतृत्व में ऐ संसदीय शिष्टमंडल ने दिसंबर 2010 में भारत का दौरा किया तथा लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार से मुलाकात की। सी आई आई के एक शिष्टमंडल के साथ एस ओ एस (पी के) श्रीमती प्रनीत कौर ने 7 से 10 जुलाई, 2012 के दौरान अल्बानिया का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री, स्पीकर, उप प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री, विदेश मंत्री से मुलाकात की और विदेश मंत्री के साथ शिष्टमंडल स्तरीय वार्ता की। सी आई आई तथा अल्बानियाई राष्ट्रीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर के बीच सहमत कार्यवृत्त पर हस्ताक्षर किए गए। सी आई आई शिष्टमंडल ने अल्बानिया के राष्ट्रीय निवेश बोर्ड के साथ बातचीत की। अल्बानिया के ऊर्जा एवं उद्योग मंत्री ने 18 से 22 जनवरी, 2015 तक भारत का दौरा किया जिसके दौरान उन्होंने एम ओ एस (पी के), एम ओ एस (आई सी), एसोचैम तथा अन्यों के साथ बैठकें की।

अल्बानिया ने 2008 के पूर्वार्ध में नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला तथा भारत में अल्बानिया के पहले राजदूत ने अक्टूबर, 2010 में राष्ट्रपति को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया। अगस्त 2014 से अल्बानिया ने मितव्ययिता के उपायों के अंग के रूप में एशिया के कुछ अन्य देशों के साथ ही नई दिल्ली स्थित अपने दूतावास को बंद कर दिया है। अल्बानिया के नागरिक बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास से वीजा प्राप्त करते हैं, जबकि भारतीय चीन स्थित अल्बानियाई दूतावास से वीजा प्राप्त करते हैं। अल्बानिया के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध मधुर और मित्रतापूर्ण हैं। मदर टरेसा दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण बंधन हैं। तिराना में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम मदर (नीने) टरेसा के नाम पर रखा गया है जिसे अल्बानिया की एक राष्ट्रीय हस्ती के रूप में माना जाता है।

विदेश कार्यालय परामर्श के लिए प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए तथा विदेश कार्यालय परामर्श का अयोजन फरवरी 2003 में तिराना में और जनवरी 2006 में नई दिल्ली में हुआ। अल्बानिया के साथ दोहरा कराधान परिहार करार (डी टी ए ए) पर हस्ताक्षर 8 जुलाई, 2013 को नई दिल्ली में किए गए। द्विपक्षीय निवेश संरक्षण करार (बी आई पी ए) पर भी चर्चाओं का आयोजन हुआ है। अभी हाल ही में, दोनों देशों के राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा मुक्त यात्रा के लिए करार पर अल्बानिया के साथ हस्ताक्षर नवंबर 2015 में किए गए हैं। भारत के हितों की देखभाल करने तथा अल्बानिया में भारतीय समुदाय को मदद प्रदान करने के लिए भारत ने 2004 से अल्बानिया में एक मानद कोंसुल की नियुक्ति भी की है। 22 और 23 दिसंबर, 2015 को नई दिल्ली में आयोजित मानवता, सत्ता एवं अध्यात्म के 7वें संगम में भाग लेने के लिए अल्बानिया की प्रथम महिला सुश्री ओडेटा निशैनी ने दिसंबर 2015 में भारत का दौरा किया।

वाणिज्यिक संबंध :

भारत और अल्बानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वस्तुत: साधारण है। 2014-15 के दौरान, अल्बानिया के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 70.18 मिलियन अमरीकी डॉलर था जिसमें भारत के आयात का मूल्य 50.76 मिलियन अमरीकी डॉलर और निर्यात का मूल्य 19.42 मिलियन अमरीकी डॉलर था। निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में एल्मुनियम तथा उससे बनी वस्तुएं, फार्मास्युटिकल्स, कॉफी, चाय, मसाले, रसायन, वनस्पति उत्पाद, यांत्रिक एवं विद्युत मशीनरी तथा उपकरण, टेक्सटाइल्स, निर्माण सामग्री, चीनी उत्पाद, टायर तथा प्लास्टिक के उत्पाद शामिल हैं। अल्बानिया में ऐसी अनेक दुकानें हैं जहां वस्त्र, फैशन गारमेंट, सोवनियर्स, फर्नीचर एवं फर्निशिंग जैसे भारतीय उत्पाद बिकते हैं। भारत अल्बानिया से औद्योगिक उत्पादों, कॉपर ओर कंसंट्रेट, भेषज प्रयोग के लिए प्लांट एक्जट्रैक्ट, जैविक रसायनों तथा मेटल एलॉय का आयात करता है। हाल के द्विपक्षीय आदान - प्रदान के दौरान अल्बानिया ने

ऊर्जा, कृषि, अवसंरचना, रसायन, आई टी पार्क, फार्मास्युटिकल्स आदि जैसे क्षेत्रों में भारतीय निवेश आकर्षित करने की गहरी इच्छा व्यक्त की है। भारत के एक निवेशक ने अल्बानिया में क्रोमियम खनन उद्योग में थोड़ा सा निवेश किया है।

सांस्कृतिक संबंध :

अल्बानिया के लोगों में भारत की संस्कृति, नृत्य और फिल्म में गहरी रुचि है। आई सी सी आर तथा आई टी ई सी छात्रवृत्तियां प्राप्त करने के लिए अल्बानिया के छात्रों में गहरी रुचि है। इसके अलावा, अल्बानिया के नागरिक योग, अध्यात्म तथा भारतीय भाषाओं, नृत्यों आदि के अध्ययन के लिए भारत के दौरे पर आते हैं। स्थानीय टी वी चैनल समय समय पर भारतीय मूवी, वृत्तचित्र एवं कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। कुछ भारतीय मूवी की शूटिंग भी अल्बानिया में हुई है। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक सांस्कृतिक मंडली ने अल्बानिया का दौरा किया तथा नवंबर 2012 में अल्बानिया की स्वतंत्रता के शताब्दी समारोहों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। अल्बानिया के नागरिकों ने 1995 में शुरुआत के समय से ही बहुत कारगर ढंग से आई टी ई सी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का उपयोग किया है। अल्बानिया के राजनयिकों ने विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पी सी एफ डी पाठ्यक्रमों में गहरी रूचि प्रदर्शित की है तथा अनेक राजनयिक पहले ही विदेश सेवा संस्थान में प्रशिक्षण से लाभान्वित हो चुके हैं। अल्बानिया से भारत आने वाले आगंतुकों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

भारतीय समुदाय :

ऐसा अनुमान है कि अल्बानिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों की संख्या 100 से कम है। कुछ भारतीय नागरिक फार्मास्युटिकल सेक्टर से जुड़े हैं तथा भारतीय दवाओं का आयात करके बेचते हैं। कुछ भारतीय प्रोफेशनल बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं बैंकों में काम कर रहे हैं। कुछ भारतीयों ने नेत्र सर्जन एवं ऑप्टोमेट्रिस्ट के रूप में अपनी पहचान बनाई है। अल्बानिया में भारतीय समुदाय के हितों की देखरेख के लिए तिराना में एक मानद कोंसुल को भी नियुक्त किया गया है। प्रतिबंधात्मक वीजा व्यवस्था के कारण भारतीय नागरिकों को अल्बानिया का वीजा प्राप्त करने में कठिनाइयां हो रही हैं। दूतावास के संरक्षण में एक अनौपचारिक भारतीय संघ का निर्माण किया गया है तथा 2012 में अल्बानिया की अपनी यात्रा के दौरान एम ओ एस (पी के) ने इसके सदस्यों से मुलाकात की थी। तिराना में 2013 'चक्र जोन' नामक एक भारतीय रेस्त्रां खोला गया।

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास, बुकारेस्ट की वेबसाइट :
http://eoiromania.in/

*****

फरवरी, 2016